# Dr. SHYAMA PRASAD MUKHERJEE UNIVERSITY

(Following Upgradation of Ranchi College, Ranchi, under RUSA Programme, Component-I)

Ranchi, Jharkhand.

OFFICE OF THE
DSW


Memo No. :DSPMU/DSW/119/22

Date : 28/07/2022

## सूचना

डॉ0 रामदयाल मुण्डा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, राँची, दिनांक 09–10 अगस्त, 2022 तक विश्व आदिवासी दिवस पर ''जनजातीय इतिहास, जनजातीय दर्शन, जनजातीय साहित्य एवं जनजातीय मानवशास्त्र'' पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करने जा रही है। जिसमें देश–विदेश के प्रख्यात विद्वान/विशेषज्ञ अपने व्याख्यानों से लोगों को लाभान्वित करायेंगे।

विश्वविद्यालय वैसे सभी इच्छुक आचार्यों, शोधार्थियों, स्नातकोत्तर छात्र/छात्राओं से आग्रह करता है कि इसमें भाग लें तथा 3 अगस्त, 2022 तक अपना नाम विभागाध्यक्ष को दें ताकि सूची शोध संस्थान को भेजी जा सके और आपका प्रवेश पत्र निर्गत किया जा सके। यदि आप अपना शोध आलेख प्रस्तुत करना चाहते हैं तो आपके लिए अलग से एक सत्र आरक्षित किया गया है।

इसमें अवश्य भाग लें और लाभ उठायें।

अनिल कुमार
28.07.22

**(अनिल कुमार)**
संकायाध्यक्ष
छात्र कल्याण


Address :Morabadi, P.O.-Ranchi University, Ranchi-834008.
Email : dswdspmu@gmail.com Website : www.dspmuranchi.ac.in

# झारखण्ड सरकार
## अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग
## डा0 रामदयाल मुण्डा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान,
राँची–8.

दूरभाष–0651–2551824, ई.मेल–tri.directorate@gmail.com/


पत्रांक....................../ राँची, दिनांकः..................................

प्रेषक,

**रणेन्द्र कुमार,** भा0प्र0से0,से0नि0,
निदेशक।

सेवा में,

**मा0 कुलपति,**
**डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय,**
**राँची।**

विषयः– 9–10 अगस्त 2022 'विश्व आदिवासी दिवस' के अवसर पर संस्थान द्वारा आयोजित 'जनजातीय इतिहास, जनजातीय दर्शन, जनजातीय साहित्य एवं मानवशास्त्र के राष्ट्रीय सेमिनारों में अपने विश्विविद्यालय के आचार्यों, शोधार्थियों, स्नातकोत्तर के छात्र/छात्राओं को भाग लेने हेतु अपने स्तर से निर्देश देने का अनुरोध।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में निवेदित है कि 9–10 अगस्त 2022 'विश्व आदिवासी दिवस' के अवसर पर प्रस्तावित वृहद आयोजन (Mega Events) के क्रम में संस्थान द्वारा आयोजित 'जनजातीय इतिहास, जनजातीय दर्शन, जनजातीय साहित्य एवं मानवशास्त्र पर 9 एवं 10 अगस्त 2022 को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। इस सेमिनार में जनजातीय इतिहास, जनजातीय दर्शन, जनजातीय साहित्य एवं मानवशास्त्र के जाने माने विद्वान/विशेषज्ञों ने सम्मिलित होने की स्वीकृति प्रदान की है। भवदीय इन देश–विदेश में सुख्यात उपस्थित होने वाले विद्वानों में से कुछ नाम निम्नवत हैं– जैसे– **<u>इतिहास</u>** में डॉ0 भान्गाया भुक्या, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, डॉ0 जोसेफ बाड़ा, पूर्व विभागाध्यक्ष, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, डॉ0 वर्जीनियस खाखा, वरीय प्राध्यापक, IHD, नई दिल्ली, डॉ0 विनिता दामोदरण, विभागाध्यक्ष, सेन्टर ऑफ साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सीटी ऑफ ससेक्स, यू0के0, **<u>जनजातीय साहित्य</u>** में डॉ0 जमुना बीनी, आसाम, डॉ0 प्रो0 जनार्दन गोंड, इलाहाबाद, डॉ0 माहेश्वरी गवैत, महाराष्ट्र, डॉ0 स्नेहलता नेगी, नई दिल्ली, **<u>मानवशास्त्र</u>** में प्रो0 सुभद्रा चन्ना (से0नि0), मानवशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, प्रो0 (Emeritus) विजॉय एस. सहाय, पूर्व विभागाध्यक्ष, मानवशास्त्र विभाग, इलाहाबाद, प्रो0 अल्लाहा पापा राव, से0नि0, मानवशास्त्र विभाग, तिरूपति विश्वविद्यालय, तिरूपति, प्रो0 टी0 कट्टीमनि, कुलपति, केन्द्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, आन्ध्र प्रदेश एवं **<u>जनजातीय दर्शनशास्त्र</u>** में पद्मभूषण से विभूषित प्रो0 मृणाल मिनी, पूर्व उपाध्यक्ष, इंडियन कॉउन्सिल फॉर फिलोसोफिकल रिसर्च (ICPR), प्रो0 सुजाता मिरी, सेवानिवृत प्राध्यापक दर्शनशास्त्र, उत्तर पूर्व हिल विश्वविद्यालय, शिलॉग, प्रो0 सुधा चौधरी, विभागाध्यक्ष, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान एवं डॉ0 आयशा गौतम,

सह–प्राध्यापक, दर्शनशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली एवं अन्य अपने व्याख्यान से हमें लाभान्वित करेंगें तथा अपने बहुमूल्य अनुभव को साझा करेंगे।

भवदीय, चूँकि 09 अगस्त 2022 को झारखण्ड सरकार द्वारा अवकाश घोषित है अतः निवेदित है कि उक्त सेमिनारों में अपने विश्वविद्यालय के सम्बद्ध विषयों के विभागाध्यक्षों, आचार्यों, शोधार्थियों, स्नातकोत्तर के छात्र/छात्राओं को इन दो दिवसीय सेमिनारों (9–10 अगस्त 2022) में अपरिहार्य रूप से भाग लेने एवं इन प्रख्यात विद्वानों के व्याख्यानों से लाभान्वित होने हेतु अपने स्तर से आवश्यक निर्देश देने की कृपा की जाए।

भवदीय, संस्थान की कामना है कि देश के भिन्न–भिन्न भागों से पधारने वाले शिक्षाविदों–विद्वतजनों की उपस्थिति से विश्वविद्यालय का शैक्षणिक परिवेश भी उज्ज्वलित हो सके। साथ ही ज्ञान प्राप्ति की श्रुति परम्परा में हमारे शोधार्थीगण–विद्यार्थीगण भी सम्मिलित हो सकें।

भवदीय, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के इन विषयों के आचार्यगण–शोधार्थियों द्वारा अपने शोध–आलेखों की प्रस्तुति हेतु भी एक–सत्र आरक्षित किया गया है। ताकि उनकी जीवन्त भागीदारी से ये सेमिनार सार्थक हो सकें।

विश्वासभाजन,

ह0/–

**निदेशक।**

ज्ञापांकः 837 /  राँची,  दिनांकः 28/7/22

प्रतिलिपि–**डॉ0 (प्रो0) अनिल कुमार, छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष, डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय** की सेवा में सूचनार्थ एवं अनुरोध है कि विश्वविद्यालय के सम्बद्ध विषयों के विभागाध्यक्षों से 3–4 अगस्त 2022 तक प्रतिभागी–आचार्यों एवं शोधार्थियों–विद्यार्थियों की सूची प्रेषित करने का निर्देश देने का कष्ट किया जाए ताकि उनके नाम से प्रवेश–पत्र बनाये जा सके।

28.7.22

**निदेशक।**

D//World Indigenous Day